संपादक का नोट

मसीह में प्रिय भाइयों और बहनों,

मैं आप सभी को मेरे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अतुलनीय नाम में अभिवादन देती हूं। वह कल, आज और हमेशा के लिए ... एक अपरिवर्तनीय प्रभु है। उसकी दया हमेशा और हमेशा के लिए सदा की है। हम अपने प्रभु को हमारे सारे हृदय, मन और आत्मा से प्रेम करेंगे। बाइबल कहता है यूहन्ना 20 : 27 ''तब उस ने थोमा से कहा, अपनी उंगली यहां लाकर मेरे हाथों को देख और अपना हाथ लाकर मेरे पंजर में डाल और अविश्वासी नहीं परन्तु विश्वासी हो।'' हम से प्रभु उम्मीद करते है कि हम विश्वासियों में से होना चाहिए और अविश्वासियों में से नहीं होना चाहिए। प्रभु के लिए हमारे दिल में विश्वास और भरोसा बनाने के लिए, उसने बाइबिल में कई चमत्कार और संकेत को दिखाए हैं। हमारे जीवन में भी, प्रभु ने कई अच्छी चीजें की हैं और इस तरह उसमें हमारा विश्वास बढ़ गया है।

प्रेरित थोमा प्रभु यीशु के करीब साढ़े तीन साल तक था; बहुत शक्तिशाली चमत्कार और संकेतों को देखा था। फिर भी वह यह विश्वास नहीं करता था कि यीशु जी उठा है जब तक की यीशु नहीं आया और उसे अपने घायल हाथों और अपने पंजर को न दिखाया था ताकि उसका विश्वास बढ़े।

विश्वास में शक्ति है निर्माण करने की लेकिन अविश्वासयोग्यता को नष्ट करने की और हमारे छुटकारे, उपचार और आशीर्वाद में बाधा लाने की शक्ति है।

बाइबिल कहता है मत्ती 13 : 58 ''और उस ने वहां उन के अविश्वास के कारण बहुत सामर्थ के काम नहीं किए।'' हमारा प्रभु इस दुनिया में महान और पराक्रमी चमत्कार करने के लिए आए थे, जिसे कभी भी कोई नहीं नहीं कर सकता था। लेकिन लोगों की अविश्वास के कारण वह ज्यादा नहीं कर सका मत्ती 13 : 55

''क्या यह बढ़ई का बेटा नहीं? और क्या इस की माता का नाम मरियम और इस के भाइयों के नाम याकूब और यूसुफ और शमौन और यहूदा नहीं?''

कई बार शिष्यों से बुरी आत्माएं नहीं निकल पाती थी, और जब उन्होंने यीशु से पूछा कि वे ऐसा क्यों नहीं कर सकते, तो यीशु ने स्पष्ट रूप से कहा मत्ती 17 : 19, 20 ''19 तब चेलों ने एकान्त में यीशु के पास आकर कहा; हम इसे क्यों नहीं निकाल सके? 20 उस ने उन से कहा, अपने विश्वास की घटी के कारण; क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूं, यदि तुम्हारा विश्वास राई के दाने के बराबर भी हो, तो इस पहाड़ से कह सकोगे, कि यहां से सरककर वहां चला जा, तो वह चला जाएगा; और कोई बात तुम्हारे लिए अन्होनी न होगी।''

हम बिना विश्वास के प्रभु को खुश नहीं कर सकते हैं। इब्रानियों 11 : 6 ''और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है, क्योंकि परमेश्वर के पास आने वाले को विश्वास करना चाहिए, कि वह है; और अपने खोजने वालों को प्रतिफल देता है।''

तो मेरे प्रिय पाठकों, अपने अविश्वास को दूर करें और विश्वास के साथ और प्रभु की उपस्थिति के साथ इसे बदल लें।

याकूब लिखते है याकूब 1 : 6,7 ''6 पर विश्वास से मांगे, और कुछ सन्देह न करे; क्योंकि सन्देह करने वाला समुद्र की लहर के समान है जो हवा से बहती और उछलती है। 7 ऐसा मनुष्य यह न समझे, कि मुझे प्रभु से कुछ मिलेगा।''

प्रभु आपकी सभी जरूरतों को पूरा करेगा। यूहन्ना 11 : 40 ''यीशु ने उस से कहा, क्या मैं ने तुझ से न कहा था कि यदि तू विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी।''

प्रभु ने विश्वासियों के लिए बहुत आशीष रखे हैं जो विश्वास ही से अकेले प्राप्त कर सकते हैं।

जब आप प्रार्थना में अपने हाथ उठाते हैं तो आपका आशीर्वाद हमारे पवित्र परमेश्वर से आएगा। मरकुस 9 : 23 ''यीशु ने उस से कहा; यदि तू कर सकता है; यह क्या बता है विश्वास करने वाले के लिए सब कुछ हो सकता है।''

सिर्फ विश्वास से ही विश्वासी जिएंगे। यहूदा 1 : 3 ''हे प्रियो, जब मैं तुम्हें उस उद्धार के विषय में लिखने में अत्यन्त परिश्रम से प्रयत्न कर रहा था, जिस में हम

सब सहभागी हैं; तो मैं ने तुम्हें यह समझाना आवश्यक जाना कि उस विश्वास के लिए पूरा यत्न करो जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था।''

विश्वास से प्राप्त होने वाले हजारों आशीष हैं। रोमियो 10 : 17 ''सो विश्वास सुनने से, और सुनना मसीह के वचन से होता है।''

तो प्यारे भाइयों और बहनो, विश्वास के द्वारा परमेश्वर का वचन पढ़ो और दूसरों को विश्वास करने के लिए प्रोत्साहित करें।

जब तक हम फिर से मिलें, तब तक हमारे प्रभु यीशु मसीह का प्रेम, खुशी और शांति आपके और आपके परिवारों के साथ रहें।

दाख की बारी में आपकी,

पास्टर सरोजा म.

उठो और प्रभु के लिए जिओ!

यशायाह 51 : 9 ''हे यहोवा की भुजा, जाग! जाग और बल धारण कर; जैसे प्राचीनकाल में और बीते हुए पीढियों में, वैसे ही अब भी जाग। क्या तू वही नहीं है जिसने रहब को टुकड़े टुकड़े किया और मगरमच्छ को छेदा?''इस वचन के माध्यम से नबी यशायाह अपने लोगों को जगाते है, उन लोगों को जो सो रहे हैं और जो लोग आलसी हैं। अगर हम पवित्र शास्त्र में देखेंगे यशायाह 52, 60, 64 में पढ़ेंगे, हमारे प्रभु परमेश्वर अपने लोगों को जगाता है जो सो रहे हैं और वह उन सभी के लिए उनके पास आने के लिए एक रास्ता बना रहा है। हम ऊपर के वचन में देखते हैं, नबी यशायाह दो बार कहता है ''जाग–जाग''। इसका क्या मतलब है, इसका मतलब है की यह 'अति आवश्यक' है। हाँ यशायाह ने अपने लोगों को कई बार जगाया है। शास्त्रों में हम देखते हैं कि प्रभु परमेश्वर हमेशा बड़ी तत्परता के साथ अपने काम करते है। 1 शमूएल 21 : 8 ''फिर दाऊद ने अहीमेलेक से पूछा, क्या यहां तेरे पास कोई भाला व तलवार नहीं है? क्योंकि मुझे राजा के काम की ऐसी जल्दी थी कि मैं न तो तलवार साथ लाया हूं, और न

अपना कोई हथियार ही लाया।'' यहाँ हम देखते हैं कि जब प्रभु ने दाऊद को बुलाया, वह तुरंत पंहुचा और दाऊद ने कहा कि ''प्रभु परमेश्वर का काम बड़ी तत्परता के साथ किया जाना चाहिए, यही वजह है कि मैं अपनी तलवार, धनुष और तीर साथ लाने के लिए भूल गया।'' इसी तरह नबी यशायाह एक बार फिर से अपने लोगों को जगाता है ''जाग...जाग''। लोग बड़े उत्साह और गति के साथ प्रभु के काम करना चाहिए। यिर्मयाह 48 : 10 ''शापित है वह जो यहोवा का काम आलस्य से करता है; और वह भी जो अपनी तलवार लहू बहाने से रोक रखता है।'' प्रभु के काम कभी आलसी से नहीं करना चाहिए, शापित है वह जो प्रभु के काम में छल करता है। हम यह भी देखते है सदोम और अमोरा के देश में, लूत का परिवार भी उनके निवास स्थान को छोड़ने के लिए और दूर जाने के लिए आलसी थे। उनकी इच्छा नहीं थी की वह जगह को छोड़ के जाए। वे उम्मीद कर रहे थे कि प्रभु अपना मन बदल देगा और विनाश से इस देश को बचा लेगा। लेकिन हम देखते हैं कि लूत और उसके परिवार को बचाने के लिए स्वर्गदूतों को भेजा गया, जो उनके हाथ को पकड़के उन्हें इस जगह से बाहर खीचते है और उन्हें दूर ले जाते है, क्योंकि प्रभु की कृपा उन पर थी। उत्पत्ति 19 : 15–16 ''15 जब पौ फटने लगी, तब दूतों ने लूत से फुर्ती कराई और कहा, कि उठ, अपनी पत्नी और दोनो बेटियों को जो यहां हैं ले जा; नहीं तो तू भी इस नगर के अधर्म में भस्म हो जाएगा। 16 पर वह विलम्ब करता रहा, इस से उन पुरूषों ने उसका और उसकी पत्नी, और दोनों बेटियों का हाथ पकड़ लिया; क्योंकि यहोवा की दया उस पर थी और उसको निकाल कर नगर के बाहर कर दिया।'' इस प्रकार, हमेशा याद रखें, प्रभु के काम, अति जोश और उत्साह के साथ किया जाना चाहिए, चाहे यह बाइबिल पढ़ने में हो या प्रार्थना या प्रभु की स्तुति और आराधना गाने में। प्रभु परमेश्वर के लिए किए जानेवाले हर काम में, हम पूरे उत्साह के साथ करना चाहिए। यह हमारे लिए अनुग्रह का समय है। अनुग्रह के दरवाजे अभी तक हमारे लिए खुले है। प्रभु के लिए किए जानेवाले हर काम में वहाँ एक निश्चित तात्कालिकता होना चाहिए। हम पवित्र शास्त्र में देखते हैं, प्रभु की कृपा उनके लोगों पर बहुत थी। जब भीड़ उनके साथ जब तक उनके उपदेश तीन दिन और रात तक चलता रहा तब, यीशु को उन पर दया आई। वह उन्हें भूका नहीं भेजना चाहता था। लेकिन वह दो मछली और पांच रोटियों के साथ ५००० लोगों को खिलाया। एक बार उन्होंने जो कुछ किया, वह अपने चेलों से कहने लगा हमें तुरंत इस जगह को छोड़ और दूर चले जाना चाहिए। मत्ती 14 : 22 ''और उस ने तुरन्त अपने चेलों को बरबस नाव पर चढ़ाया, कि वे उस से पहिले पार चले जाएं, जब

तक कि वह लोगों को विदा करे।'' यहाँ हम देखते हैं प्रभु यीशु भीड़ को दिन और रात वचन सुनाते थे, वह उन्हें भी खिलाया क्योंकि वे भूखे थे। लेकिन जब छोड़ने का समय आया तब, यीशु तुरंत अपने चेलों के साथ–साथ, अति तात्कालिकता में चले गए। यीशु के काम हमेशा महान उत्साह और तात्कालिकता की भावना के साथ किया जाना चाहिए। हमें कभी आलसी नहीं होना चाहिए। हमें जक्कई की कहानी पता है, जब यीशु गूलर के पेड़ के पास पहुंचे, उन्होंने ऊपर देखा और कहा, ''जक्कई जल्दी से नीचे उतर आ, मैं आज तुम्हारे घर यात्रा करूँगा''। लूका 19 : 5 ''जब यीशु उस जगह पहुंचा, तो ऊपर दृष्टि कर के उस से कहा; हे जक्कई झट उतर आ; क्योंकि आज मुझे तेरे घर में रहना अवश्य है।'' प्रभु यीशु ने यह नहीं कहा, जक्कई धीरे धीरे नीचे आओ, तुम गिर जाओगे, ध्यान रखना, बल्कि वह जक्कई से कहा, ''जल्दी करो और नीचे आओ''। कल्पना कीजिए जक्कई की खुशी का जब उसने सुना यीशु ने उस से बात की। हाँ, आज वैसे ही, प्रभु हमें जगाता है और जल्दी से और शीघ्रता में उनके काम करने के लिए हमें कहता है। हम अभी भी उनकी कृपा के समय में हैं। हम नूह के जहाज की कहानी को जानते हैं, प्रभु परमेश्वर ने नूह और उसके परिवार के साथ जहाज में प्रवेश करने के लिए इस धरती पर हर प्रजाति की एक जोड़ी को चुना। लेकिन क्या आप जानते है, कौन धीरे–धीरे रेंगकर आया था, और जो जहाज में सबसे अंत में प्रवेश किया वह कछुआ और घोंघा था। यह दोनों प्रजाति चलने में बहुत धीमी गति से चलते हैं, लेकिन प्रभु परमेश्वर ने उन्हें चेतावनी दी ताकि वे जल्दी चले और इससे पहले कि यह जहाज बंद हो जाए प्रवेश करे। क्या हम आज कछुआ और घोंघा की तरह हैं? क्या हम प्रभु परमेश्वर की ओर रेंगकर जा रहे हैं? यह हमारे लिए एक चेतावनी है, शीघ्रता करो जल्दी करो प्रभु के लिए, हम अभी भी अनुग्रह के समय में हैं, अनुग्रह के दरवाजे हमारे लिए खुले है। यह २००० से अधिक वर्षों के लिए अब है, हम अभी भी कछुआ और घोंघा की तरह रेंगते होंगे, लेकिन प्रभु हमें आज चेतावनी दे रहा है ''जाग.....जाग अंत का समय हाथ में है''। फिर पढ़ते है यशायाह 51 : 9 ''हे यहोवा की भुजा, जाग! जाग और बल धारण कर; जैसे प्राचीनकाल में और बीते हुए पीढियों में, वैसे ही अब भी जाग। क्या तू वही नहीं है जिसने रहब को टुकड़े टुकड़े किया और मगरमच्छ को छेदा?'' प्रभु परमेश्वर उन लोगों को कहता है जिनके पास ताकत है और शक्ति है की ''जाग. ...जाग'' यशायाह 52 : 2 ''अपने ऊपर से धूल झाड़ दे, हे यरूशलेम, उठ; हे सिय्योन की बन्दी बेटी अपने गले के बन्धन को खोल दे।'' प्रभु कहते हैं अपने आप से धूल झाड़ डालो। आज हमारे जीवन में धूल क्या है? हमारे छोटे पाप,

छोटी कमियां, छोटी गलतियों, हमें प्रभु से दूर ले जाते है। हमें इस धूल को हमारे जीवन से इन छोटे पापों को दूर करना चाहिए और अपने आप को एक बार फिर से शुद्ध करे और प्रभु के साथ संपूर्ण हो जाए। याद रखें, जब हम जीवन में अच्छी बातें बोते हैं, हम बदले में हमेशा अच्छी फसल ही पाएंगे। लेकिन अगर हम बुरी बातें बोते हैं, हम वास्तव में बदले में बुरी फसल ही पाएंगे। समय–समय पर, प्रभु हमारे सभी भीतरी गंदगी को प्रकट करेंगे, हम अपने आप को साफ करना चाहिए। हर एक के जीवन में, वहाँ कुछ प्रकार के धूल है जो हम हमारे जीवन से धूल को हटाना चाहिए। हाँ, यह हमारे जीवन में अनुग्रह का समय है और हम प्रभु के प्यार और दया का फायदा नहीं लेना चाहिए।

दानिय्येल 12 : 10 ''बहुत लोग तो अपने अपने को निर्मल और उजले करेंगे, और स्वच्छ हो जाएंगे; परन्तु दुष्ट लोग दुष्टता ही करते रहेंगे; और दुष्टों में से कोई ये बातें न समझेगा; परन्तु जो बुद्धिमान है वे ही समझेंगे।'' प्रभु परमेश्वर जानता है कि उनके बच्चों को कैसे शुद्ध करना है, वह उन्हें विभिन्न प्रकारों की भट्ठी में सफाई के लिए डाल देगा और उन्हें शुद्ध करेगा, उन्हें सोने के रूप में शुद्ध करेगा। लेकिन दुष्ट अपनी दुष्टता में रहेगा और वे इस बात को कभी नहीं समझ पाएंगे। हमें पवित्र शास्त्र में एक कहानी पता है, जब यीशु एक दिन उपदेश के लिए गए, जगह जगह भीड़ थी और यीशु सभी पक्षों से घिरे हुए थे। जो कोई भी वहाँ मौजूद था उसने यह प्रभु की असीम शक्ति का अनुभव नहीं किया था, लेकिन एक औरत को लहू का मुद्दा बारह वर्षों से था और उसका केवल एक ही उद्देश्य था की वह यीशु के बागे को छूने पाए और उस दिन उसकी बीमारी से चंगा हो जाए। बस यही केवल उसका उद्देश्य था। वह क्षण जब उसने यीशु के बागे की झालर को छुआ, प्रभु ने महसूस किया कि सामर्थ उन में से बाहर निकली है और उन्होंने कहा, ''किसी ने मुझे छुआ है, क्योंकि मैंने महसूस किया है की मुझ में से सामर्थ निकली है''। हम पढ़ते है लूका 8 : 42–46 ''42 क्योंकि उसके बारह वर्ष की एक लौती बेटी थी, और वह मरने पर थी; जब वह जा रहा था, तब लोग उस पर गिरे पड़ते थे। 43 और एक स्त्री ने जिस को बारह वर्ष से लहू बहने का रोग था, और जो अपनी सारी जिविका वैद्यों के पीछे व्यय कर चुकी थी और तौभी किसी के हाथ से चंगी न हो सकी थी। 44 पीछे से आकर उसके वस्त्र के आंचल को छूआ, और तुरन्त उसका लहू बहना थम गया। 45 इस पर यीशु ने कहा, मुझे किस ने छूआ जब सब मुकरने लगे, तो पतरस और उसके साथियों ने कहा; हे स्वामी, तुझे तो भीड़ दबा रही है और तुझ पर गिरी पड़ती है। 46 परन्तु यीशु ने कहा; किसी

ने मुझे छूआ है क्योंकि मैं ने जान लिया है कि मुझ में से सामर्थ निकली है।'' इसी तरह, हम भीड़ की तरह नहीं, लेकिन उस औरत की तरह, हमारा यह लक्ष्य होना चाहिए की हम आज भी अपने प्रभु यीशु मसीह को छुए। उसके बाद ही हम अपने जीवन में प्रभु की सामर्थ का अनुभव कर सकते हैं। इस औरत की तरह, हम भी सभी भीड़ में से यीशु मसीह को छूने के लिए उत्साह होना चाहिए और हम निश्चित रूप से धन्य हो जाएंगे। हमें आलसी नहीं होना है , खाने, पीने और मगन रहते हैं, लेकिन हम प्रभु के लिए 'जागते रहना' चाहिए। इफिसियों 5 : 14 ''इस कारण वह कहता है, हे सोने वाले जाग और मुर्दों में से जी उठ; तो मसीह की ज्योति तुझ पर चमकेगी।'' हमने शास्त्र में पढ़ा है, कि प्रभु हमेशा जो 'नींद' के रूप में मरे हैं उनके लिए उल्लेख किया है। जब यीशु मसीह लाजर को देखने के लिए जाते है, उन्होंने कहा कि रो मत क्योंकि वह सो रहा है। हम यह भी देखते है की कैसे विधवा का बेटा मृतकों में से जी उठा, वह भी सो रहा था। हम अलग–अलग स्थितियों में देखते हैं, प्रभु यीशु ने मृतकों को जिलाया है, लेकिन उन्होंने कहा कि वे सो रहे थे। उसी समय, यीशु ने उन जो जीवित थे उनसे क्या कहा था? सरदीस की कलीसिया को यीशु कहते है प्रकाशितवाक्य 3 : 1 ''और सरदीस की कलीसिया के दूत को लिख, कि, जिस के पास परमेश्वर की सात आत्माएं और सात तारे हैं, यह कहता है, कि मैं तेरे कामों को जानता हूं, कि तू जीवता तो कहलाता है, पर, है मरा हुआ।'' यहाँ यीशु जीवित लोगों को कहते हैं कि ''तुम तो मर गए हो''। और इससे पहले के उदाहरण में हमने देखा है कि जो लोग मर चुके हैं, यीशु कहते हैं, ''वे सो रहे हैं''। याद रखें, हमारे जीवन मृत की तरह नहीं होना चाहिए। प्रभु हमारे जीवन को 'जागृत और जिंदा' बनाना चाहता है। क्योंकि यह अनुग्रह का समय है, प्रभु अभी भी मृतकों में से हमें उठाने के लिए सक्षम है। 1 तीमुथियुस 5 : 6 ''पर जो भोगविलास में पड़ गई, वह जीते जी मर गई है।'' जो लोग अभी भी इस दुनिया के अनुसार उनके जीवन को जीना चाहते है, खाने, पीने और मगन रहते है। वे इस दुनिया में मर चुके हैं। हमारा जीवन इन लोगों की तरह नहीं होना चाहिए, बल्कि हमारा जीवन विश्वास और परमेश्वर के प्रेम से भरा होना चाहिए। हम हमेशा पहले हमारे जीवन को अपने प्रभु और उनके काम के लिए जीवन रखना चाहिए बजाय इस दुनिया में यह अशुद्ध हो जाए। कई लोग इस दुनिया में पता नहीं है की वे कहाँ से आ रहे है और कहाँ जा रहे है, वे भीड़ की तरह है जो यीशु पर गिर पड़ी जहाँ कहीं वे प्रचार करने जाते थे। बल्कि, हमारा जीवन उस औरत की तरह होना चाहिए जिसका उद्देश्य केवल यीशु को छूने के लिए और चंगा होना था, हाँ हमारा भी यही उद्देश्य होना चाहिए की हम

प्रभु के लिए जिए, उनका काम इस पृथ्वी पर करें। हमारा जीवन सफाई की भट्ठी में डाल दिया जाना चाहिए और उसकी महिमा के लिए शुद्ध किए जाए। उदाहरण के लिए, मिट्टी और कुम्हार की कहानी। मिट्टी, एक सुंदर बर्तन बनना चाहता था, वह खूबसूरती से बनाया गया था, लेकिन जब समय भट्ठी में डालने का आया तब, मिट्टी कुम्हार से भाग गया, वह आग के माध्यम से जाना नहीं चाहता था। हम इस तरह नहीं होना चाहिए, इस दुनिया में मजा और आनंद का जीवन जिए, हमारा जीवन दुनिया में मृत की तरह हो जाएगा। अंत में, इस तरह के जीवन को नरक की आग में डाल दिया जाएगा और नष्ट करने के लिए योग्य होगा। इस प्रकार हमें जागते और प्रार्थना करते रहना चाहिए, हम प्रभु के काम करने के लिए पूरे जोश के साथ होना चाहिए, हम उसके साथ हमेशा जुड़े हुए होना चाहिए। दाऊद कहता है भजनसंहिता 3 : 5 ''मैं लेटकर सो गया; फिर जाग उठा, क्योंकि यहोवा मुझे संभालता है।'' हम जब प्रभु के साथ खुशी से रहते हैं, वह हमें नरक की आग में जाने से बचा लेगा। प्रभु हमेशा हमारी रक्षा करेंगे और वह हमें इस दुनिया में जीवित रखेगा। दाऊद हमेशा प्रभु के लिए जिया था, वह सब कुछ जो वह करता था, वह परमेश्वर को महिमा देता था। याद रखें, किसे परमेश्वर ने कहा था की मर चुके हो ? जो लोग कहते हैं कि वे इस दुनिया में रहते हैं ! लेकिन जो लोग प्रभु के लिए जीते हैं, वे उनके बच्चे हैं, वे जीवित है और इस दुनिया उसके क्रूस को लेकर हर दिन चलते हैं। हम जानते है की प्रभु दाऊद से बहुत प्यार करता था, और कहा, ''वह मेरे अपने दिल के बाद एक मनुष्य है'', क्योंकि दाऊद अपने जीवन में केवल प्रभु का काम करता था और परमेश्वर की महिमा और प्रशंसा उसके माध्यम से बढ़ाया गया था। आज, प्रभु चाहता है हम हमारा जीवन दाऊद की तरह जिए। प्रभु हमें आज भी कहता है, धूल को झाड़ दो, हमारे हर छोटे पाप और कमी को हमें झाड़ देना चाहिए और अपने आप को शुद्ध और साफ करना चाहिए। एक बार फिर, प्रभु हमें जगाता है ''जाग...जाग अनुग्रह के दरवाजे अभी तक हमारे लिए आज भी खुले है।'' प्रभु भी हमें आत्मिक नींद के खिलाफ चेतावनी देता हैं। रोमियो 13 : 12 ''रात बहुत बीत गई है, और दिन निकलने पर है; इसलिए हम अन्धकार के कामों को तज कर ज्योति के हथियार बान्ध लें।'' हाँ, रात चली गई है, दिन हाथ में है। हमें अंधेरे के कपड़ों को दूर फेकना चाहिए और धार्मिकता और प्रकाश के नए कपड़े पहनना चाहिए। हम यह भी जानते हैं कि बाढ़ के बाद जब नूह को एक बार फिर नई पृथ्वी के साथ आशीर्वाद दिया गया था , वह खेतों को जोता था, अंगूर के बागों की वृद्धि की और अपनी फसल का आनंद लिया। उसने अपने आप को शराब के साथ नशे में धुत्त किया और उसके घर में

वह वस्त्रहीन पाया गया। उस पर अभिशाप उसके अपने बेटों के माध्यम से ही आया था, इस प्रकार उसका परिवार प्रभु के लिए शापित हो गया, क्यों? क्योंकि नूह खाया, पिया और मगन होने लगा। इस प्रकार उसे और उसके परिवार पर शाप का आह्वान हुआ। उत्पत्ति 9 : 21 ''और वह दाखमधु पीकर मतवाला हुआ; और अपने तम्बू के भीतर नंगा हो गया।'' उसकी नशे की वजह से, वह अपने खुद के कपड़ों पर नियंत्रण नहीं रख सका। हमें शिमशोन की कहानी भी पता है, वह एक बहादुर युवा था, शिमशोन एक शक्तिशाली और एक बलवान आदमी था। प्रभु ने उसे बड़े बड़े काम के लिए तैयार किया था, प्रभु ने उसे पलिश्ती के खिलाफ लड़ने के लिए भेजा था। लेकिन वेश्या के साथ उसके पाप के कारण, वह अपनी ताकत और शक्ति खो बैठा। वह अपने दुश्मनों के आगे एक विदूषक बना दिया गया था। प्रभु ने उसे एक शक्तिशाली और बलवान आदमी होने के लिए चुना था, लेकिन उसके पाप के कारण वह सो गया और इस प्रकार जीवन में सब कुछ खो दिया। इस प्रकार आज भी, प्रभु ऐसे पापों से हमें जगाता है। वह हमें धूल झाड़ने के लिए और अपने आप को साफ करने के लिए हमें चेतावनी देता हैं। प्रभु इससे बाहर आने के लिए कहते हैं, समय हाथ में करीब है, हमने देखा है कि जो कुछ यह नूह के जीवन में हुआ, शिमशोन के जीवन में हुआ, यह हमारे जीवन में भी हो सकता है, प्रभु के उत्तेजना पर ध्यान देना चाहिए! नीतिवचन 23 : 21 ''क्योंकि पियक्कड़ और खाऊ अपना भाग खोते हैं, और पीनक वाले को चिथड़े पहिनने पड़ते हैं।'' जो लोग खाने और महिमा के लिए पीते है, गरीबी जल्द ही नूह और शिमशोन की तरह उन पर आ जाएगा। हमें उनकी तरह नहीं होना चाहिए ... सांसारिक बातों में आनंद लेने के लिए जारी रहते है। नीतिवचन 20 : 13 ''नींद से प्रीति न रख, नहीं तो दरिद्र हो जाएगा; आंखें खोल तब तू रोटी से तृप्त होगा।'' इसके अलावा, हमें सोते और आलसी नहीं होना चाहिए, आत्मिक नींद बहुत ही खतरनाक है, हमें इस से जागना चाहिए और स्वर्गीय मन्ना का आनंद लेना चाहिए। नीतिवचन 10 : 5 ''जो बेटा धूपकाल में बटोरता है वह बुद्धि से काम करने वाला है, परन्तु जो बेटा कटनी के समय भारी नींद में पड़ा रहता है, वह लज्जा का कारण होता है।'' हमें तभी ही बोना चाहिए जब बोने का समय हो, उसके बाद ही हम फसल समय पर कटाई कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अमीर आदमी की कहानी है, उसके सपने में एक बार वह प्रभु से मिलता है, प्रभु उसे मकान दिखाता है जो उनके स्वर्गीय राज्य में तैयार किया है। सबसे पहले, प्रभु ने उसे अपनी नौकरानी के लिए बनाया गया एक सुंदर महल दिखाया। तो वह आदमी सोचता है कि यदि मेरी नौकरानी के लिए इस तरह के एक सुंदर महल है, मेरा महल

कितना अधिक सुंदर होगा ? अब प्रभु उसे एक बंजर भूमि दिखता है और कहता हैं, यह तुम्हारी जगह है। हाँ, प्रभु ने अमीर आदमी से कहा कि तुम्हारी नौकरानी ने इस धरती पर ही मेरे स्वर्गीय राज्य के लिए बोया है, उस के साथ मैं उसके लिए इस महल को बना दिया है। हलाकि तुम ने इस धरती पर मेरे राज्य में कभी नहीं बोया, फिर कैसे तुम वो काटने की उम्मीद रखते हो जब की तुम ने कभी बोया ही नहीं है। उस समय, अमीर आदमी अपने व्यवहार के लिए शर्मिंदा था। हमारे अधिकार को याद रखना और धन स्वर्गीय राज्य में सहेजा जाएगा, अगर हम अब इस धरती पर बोते हैं ! हमारे किए गिए कार्यों को इस कलीसिया के माध्यम से प्रभु के वचन बहुत दूर स्थानों तक ले जाना है, जो लोग इस कारण का समर्थन करने के लिए आगे आते है, यह भी उनके लिए एक आशीष है जो की बीज इस धरती पर विश्वास में बोया है, उनके धन प्रभु के स्वर्गीय राज्य में जमा किया जाता है। हम जानते हैं कि अगर वचन ही के माध्यम से एक आत्मा का उद्धार होता है तो, वहाँ स्वर्ग में आनन्द मनाया जाता है। वचन सच है, वचन सत्य है। जब हम विश्वास में बीज बोते हैं, हम टन में काटेंगे। उदाहरण के लिए, गांवों में किसान बीज एक या दो बैल छकड़ा भर बोते होंगे। लेकिन कटाई के दौरान, वे भरपूर मात्रा में बैलगाड़ी भर के काटते हैं । यह इस दुनिया में प्रभु के लिए किए गए कार्यों के समान है। जब हम बोते हैं, तभी हम भरपूर फसल काटेंगे। उदाहरण के लिए, जब हम ज्वार के बीज बोते हैं, हम चावल को नहीं काटेंगे। और न ही जब हम कटहल के बीज बोते हैं, हम आम की फसल नहीं काट सकते। यह महत्वपूर्ण है की हम यह याद रखे ! हम वही काटेंगे जो हम बोते है। गलातियों 6 : 7–9 ''7 धोखा न खाओ, परमेश्वर ठट्ठों में नहीं उड़ाया जाता, क्योंकि मनुष्य जो कुछ बोता है, वही काटेगा। 8 क्योंकि जो अपने शरीर के लिए बोता है, वह शरीर के द्वारा विनाश की कटनी काटेगा; और जो आत्मा के लिए बोता है, वह आत्मा के द्वारा अनन्त जीवन की कटनी काटेगा। 9 हम भले काम करने में हियाव न छोड़े, क्योंकि यदि हम ढीले न हों, तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे।'' ऐसा इस तरह महत्वपूर्ण है की यह जानना कि जब हम इस दुनिया में प्रसन्नतापूर्वक बोते हैं, उसके बाद ही हम अपने आशीर्वाद को स्वर्ग में काट पाएंगे। हम जानते हैं कि पवित्र शास्त्र में एक कहानी है, एक जवान सामरिया लड़की एक कोढ़ी की मदद यरूशलेम, इजराइल यीशु मसीह की अच्छी खबर देने के बाद जाने के लिए करती है। कल्पना कीजिए कि एक क्या पराक्रमी काम उसने प्रभु के लिए किया है। उसका अधिकार इस महान काम के साथ स्वर्ग में जमा हो गया है। हम यह भी दबोरा की कहानी जानते है, आओ हम पढ़ते हैं न्यायियों 5 : 12 ''जाग, जाग, हे

दबोरा! जाग, जाग, गीत सुना! हे बाराक, उठ, हे अबीनोअम के पुत्र, अपने बन्धुओं को बन्धुआई में ले चल।'' तुम और मैं, एक माँ या पिता के रूप में, प्रभु के बच्चों के रूप में, हम अपने बच्चों के लिए स्वर्ग के लिए रास्ता बनाने के लिए जरूरत है। यह है कि हम केवल इस दुनिया में खुशी मनाएं और नष्ट हो जाएं, क्या आज हम एक जिम्मेदार माता–पिता हैं ! वचन में यह लिखा है कि एक आलसी व्यक्ति प्रभु के लिए एक अभिशाप है। हम प्रभु के लिए एक बाज की तरह होना चाहिए जो ऊंची उड़ान भरे। यशायाह 60 : 2 ''देख, पृथ्वी पर तो अन्धियारा और राज्य राज्य के लोगों पर घोर अन्धकार छाया हुआ है; परन्तु तेरे ऊपर यहोवा उदय होगा, और उसका तेज तुझ पर प्रगट होगा।'' अगर हम जागृत हैं और अपने आप को धूल से झाड़ते रहेंगे, हम हमेशा प्रभु के लिए एक चमकता हुआ पात्र बनेंगे। यहां तक कि अगर अंधेर कब्र इस धरती को धक् दे, प्रभु की महिमा हम पर चमकेगी। कल्पना कीजिए कि कैसे हम प्रभु के लिए चमकेंगे। हमारे प्रभु हमें कभी परेशानी, दुख और दर्द नहीं देंगे। सारपत विधवा की कहानी याद है, प्रभु ने नबी एलिय्याह को उसके घर आशीर्वाद देने के लिए भेजा था। जो की आखरी आटा और तेल उसके घर में था, वह इस से एक रोटी बनाकर उसके बेटे और स्वयं कहकर मरने के लिए तैयारी में थे, नबी एलिय्याह इस घर को आशीर्वाद देता है की आटा और तेल कभी इस घर में कभी कम नहीं होगा। हालांकि वहाँ उसकी जमीन पर अकाल था और राजा अहाब भी इस अकाल की वजह से पीड़ित हुआ होगा, लेकिन विधवा के घर में भोजन के लिए कभी कमी नहीं हुई। यह उसके लिए प्रभु का आशीर्वाद था और वह आज हम में से हर एक को वही आशीर्वाद देना चाहता है। भजन संहिता 34 : 10 ''जवान सिंहों तो घटी होती और वे भूखे भी रह जाते हैं; परन्तु यहोवा के खोजियों को किसी भली वस्तु की घटी न होवेगी।'' हाँ युवा शेर भूख से पीड़ित हो सकता है, लेकिन प्रभु के बच्चों को किसी भी अच्छी बात की कभी कमी नहीं होगी। सब कुछ जो हम करते हैं, हमें अकेले अपने प्रभु की महिमा करनी चाहिए। कुलुस्सियों 3 : 24–25 ''24 क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हें इस के बदले प्रभु से मीरास मिलेगी; तुम प्रभु मसीह की सेवा करते हो। 25 क्योंकि जो बुरा करता है, वह अपनी बुराई का फल पाएगा; वहां किसी का पक्षपात नहीं।'' अगर हम प्रभु के लिए कोई भी अच्छा काम करते हैं, तो हम बहुत फसल काटेंगे। उसी समय में, जब हम प्रभु के लिए बुराई और पाप करते हैं, हम पाप और बुराई बातें ही बहुत फसल में बोएंगे। हमें शुद्ध होने के लिए पवित्र भट्ठी के माध्यम से गुजरना ही होगा। हमें उस भीड़ की तरह नहीं होना चाहिए जो यीशु मसीह के आसपास घूमते रहते है, बल्कि उस महिला की तरह होना चाहिए जिसे

लहू का मुद्दा था, जो इछुक और उद्देश्य लेकर केवल यीशु मसीह को छूने को और उसकी शक्ति का अनुभव करने के लिए आई थी। हमें प्रभु के लिए प्यासा होना चाहिए, हमें जोश और उत्साह के साथ उसकी सेवा करनी चाहिए। हम मत्ती अध्याय 17 में देखा है, प्रभु ने अपने तीन विश्वस्त चेलों को पहाड़ पर उसके साथ लेकर गया और उन्हें प्रभु की महिमा को दिखाया। उन्होंने यह भी देखा कि मूसा और एलिय्याह पहाड़ पर उनके साथ खड़े है। जब शिष्यों ने परमेश्वर की महिमा को देखा तो वे डर में यीशु के चरणों में गिर पड़े। लेकिन यीशु ने उन को उठाया और उन्हें कहा, ''डरो मत, लेकिन किसी को मत बताना कि तुम ने क्या देखा है''। हम ने यह भी यूहन्ना 11 में पढ़ा है, जो लोग मर चुके हैं जीवित रहेंगे और जो लोग जी रहे हैं वे भी नहीं मरेंगे। वचन सत्य है और वचन जीवित है, अगर आज हम यह स्वीकार करते हैं, तो हम अपने जीवन में उनकी कृपा, प्रेम और शक्ति का अनुभव करेंगे। हाँ, यह मूर्ख है जो इस बात को समझ नहीं सकता। हमें फरीसियों और सदूकियों के जैसे नहीं बनना है, जो अभी भी सब कुछ शक करते है। यह निश्चित रूप से हमारे जीवन में अंत का समय है। अंत क्रिस्ट के समय से सावधान रहे, हमें अंत क्रिस्ट के हाथों में नहीं पड़ना है। हमारा जीवन प्रभु की दृष्टि में अनमोल हैं हम यीशु के लहू से शुद्ध हुए हैं, हम उकाब की तरह है कि ऊँची और शक्तिशाली उड़ान प्रभु के लिए उड़े। हम वो लोग नहीं है जो सो रहे हैं, या मृत या आलसी है, बल्कि हम जीवित और जागृत हैं। अगर हम पर धूल है, तो हमें धूल को झाड़ना चाहिए और अनुग्रह के द्वार में प्रवेश करेंगे जो प्रभु ने हमारे लिए खोला हैं। आज, हम कछुआ या घोंघा की तरह, रेंगनेवाले नहीं होना चाहिए, न ही लूत के परिवार जैसे, जो धीरे–धीरे और आलस्य थे जो की आसपास घूम रहे थे और वह जगह छोड़ने के लिए इच्छुक नहीं थे। एक बार फिर प्रभु परमेश्वर ने उनके वचन से चेतावनी देते हैं ''जाग...जाग, प्रभु के लिए हमारे जीवन को जिए और इस दुनिया में बड़े पैमाने पर बोए, ताकि हम प्रभु के स्वर्गीय राज्य में बहुतायत से आशीर्वाद का फसल पाए।

प्रार्थना करो कि यह वचन हम में से हर एक को आशीर्वाद दे और भी कई लोगों के जीवन में इस वचन को पड़के आशीर्वाद पाए !

प्रभु की सेवा में आपकी,

पास्टर सरोज म